





अमरव	नागा	नाग	देवी	सिमा	तेनव
पू चण्डाय	बुद्ध	अनन	वृक्षायनी	लावयसिमा	असीतांगतेनव
उ गकल	कवज	वासुकि	माहेश्वरी	जंगलसिमा	पचउतेनव
प कालीकल	वरुक्ष	तक्रक	बुद्धायनी	अव्ययसिमा	रूद्रकतेनव
द कलिक	रुम	कर्कटक	वागाही	अमा	कपिलतेनव
अ अरुत	अग्नि	पद्म	कोमारी	होमिखामा	क्राउतेनव
ने प्रल्लिवन	गुड	महापद्म	विश्वी	पितायसिमा	उन्मनतेनव
वा धात्रीरुका	वायू	संघपाल	चामुण्डा	कोसिमा	सैहानतेनव
शी किलि२	महाधा	कुलिक	महालक्ष्मी	वज्रमा	सिम्बनतेनव

वज्रवाहिमल्लयाय ॥ कात्यावलि, वजावलि, पञ्चावलि, वाचिविनाम
तल्लक्षण, षट्कोश, पूर्व, वीवजवाहाही, रक्तवर्ण चतुर्लोक कर्तिपात्र
उमन्त्यदीर्घ ॥ ॐ नमः ॥ हां यथा मित्रिनीला ॥ वायव्य ॥ कुंडं माहिनी ॥ सी
ता ॥ पश्चिम ॥ कुंडी कुंडी चारुता ॥ अश्ववर्ण ॥ त्रेमल्य ॥ कुंडं तल्लक्षण ॥ हस्ति
ना ॥ अलग्न ॥ दूर, दूर, पंडित ॥ पीता ॥ ॥ चतुर्दश ॥ वज्रजक सत, चतुर्द
श वज्रघल उमन्त्यदीर्घ, प्रत्यासीठ पद ॥ पूर्व ॥ विष्णुजक ॥ उदय ॥ ८४
पञ्चजक नरक ॥ पश्चिम ॥ नरकजक ॥ पीता ॥ दक्षिण ॥ अश्वदिवा ॥

PKPKPKPK — IKKP PKPKPKPK PKPKPKPK — PKPKPKPK — PKPKPKPK
PKPKPKPK — IKKP PKPKPKPK PKPKPKPK — PKPKPKPK — PKPKPKPK — PKPKPKPK
PKPKPKPK — IKKP PKPKPKPK PKPKPKPK — PKPKPKPK — PKPKPKPK — PKPKPKPK
PKPKPKPK — IKKP PKPKPKPK PKPKPKPK — PKPKPKPK — PKPKPKPK — PKPKPKPK
PKPKPKPK — IKKP PKPKPKPK PKPKPKPK — PKPKPKPK — PKPKPKPK — PKPKPKPK
PKPKPKPK — IKKP PKPKPKPK PKPKPKPK — PKPKPKPK — PKPKPKPK — PKPKPKPK
PKPKPKPK — IKKP PKPKPKPK PKPKPKPK — PKPKPKPK — PKPKPKPK — PKPKPKPK
PKPKPKPK — IKKP PKPKPKPK PKPKPKPK — PKPKPKPK — PKPKPKPK — PKPKPKPK

PKPK

PKPK

PKPK

PKPK

PKPK

PKPK

वैवजवाग्राही — यका होंर्ययामिनी नीला कुं कुं माहिनी सीगा
कुं कुं सैवाग्रही — यप्रवक्षं कुं कुं सैत्राहिनी हरिता रुं रुं चलि का पीता

२८ गेनी कुं कुं अङ्गु कपा लनिपाला हातिनी जानाचां प्रत्यासीत पद॥
वैनी वलाक मी जानाचां॥ ॥ वेतासी वज अङ्गु प्यागु कपा दपाल जानाचां॥
॥ ॥ पूष्कली भी कया आत प्रतिनयाचां॥ ॥ घट्मसी अङ्गु प्यागु कपाल
निपाला हातिनी जानाहिता नयाचां॥ ॥ चअसी नूग तनयाचां॥ ॥ अवनी नूग
तयाया कासायाचां॥ ॥ द्विविनी रुज मकर धरु खर्ज अङ्गु कपाल जानाचां॥

वक्रावलि॥ कायचक्रनाय॥ पूर्वोत्तर॥ महावलं० चक्रवेगमर्लिङ्गना॥॥

उत्तरा॥ उत्तरवजं रवः॥

हयग्रीवं होतुनी आः॥

गर्हं चक्रवर्णिनी आः॥

रूक हवीरा लिङ्गना॥

हो लिङ्गना॥

॥ उष्मात्रा॥

॥ उत्तरा॥ लिङ्गना॥ ॥ पश्चिमात्रा॥

लिङ्गना॥ ॥ दक्षिणात्रा॥ आकाश

लिङ्गना॥ ॥ आग्नियात्रा॥ शुद्ध

॥ नैऋत्यात्रा॥ पद्मनल्यध्वनं महाव

॥ वायुयात्रा॥ वैराचनं चक्रवर्णिनी आलिङ्गना॥॥

॥ वरुहत्वं महावीर्या लिङ्गना॥ ॥ प्रकृवाक

प्रकृपमावलि॥

वक्र॥ पूर्वोत्तर॥ अक्षतीक्ष्णोत्तरावली आर्तिगना॥ ॥ उत्तरावली॥ वक्रज
 मिं महादेव वा आर्तिगना॥ ॥ पश्चिमावली॥ महावीरं वायूवर्ग
 आर्तिगना॥ ॥ दे
 गना॥ ॥ अरुणवा
 ॥ ॥ नैऋत्यावली॥ व
 वायूवर्ग॥ महादेव वं हयकर्ण आर्तिगना॥ ॥ उत्तरावली
 ॥ विष्णुपादं स्वर्गनना आर्तिगना॥ ॥ कृष्णविल्वचक्र॥ पू

॥ वक्रावली॥

६६

वर्षा ॥ प्रवृत्तिं वज्रजकिनी आर्लिङ्गना ॥ ॥ उल्लास ॥ महाकैकालं
वृत्तिं आर्लिङ्गना ॥ ॥ पश्चिमा ॥ कैकालं प्रहाराणी आर्लिङ्ग
ना ॥ ॥ दक्षिणा ॥ ॥ कटदुष्टिं प्रहाराणी आर्लिङ्गना
॥ ॥ अग्नियात्रा ॥ ॥ प्रहाराणी वीरमती आर्लिङ्गना ॥
॥ ॥ नैऋत्यात्रा ॥ ॥ मिताहं सर्वरी आर्लिङ्गना ॥ ॥
वायुव्यात्रा ॥ वज्रपुलं लं कव्यरी आर्लिङ्गना ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
वज्रदहं दुर्मकाया आर्लिङ्गना ॥ ॥ ध्वनिचिरुचक्र ॥ ॥

त्रिभुवलि॥ ॥ महासूर्यचक्र॥ विश्वपद्म॥ पूर्वदक्षिण॥ अकिनी॥
दक्षिणदक्षिण॥ लामा॥ ॥ पश्चिमदक्षिण॥ स्वर्णनागा॥ ॥ उरु
दक्षिण॥ नृपिणी॥ ॥

६५

ॐ नमः शिवाय गुरुवे नमः ॥
 द्विजया घटयक विधिमाह ॥
 लङ्गिकल ४ ग्व ५
 कलकल ४ माका
 नागव ग्व ४
 वलितेश पा ४
 ग्वलेश पा २
 नपासला पा २
 विहितला पा माका
 निसला पा माका

धूपदह माका
 केतला माका
 मलुलपाता माका
 लादे उम पू ३
 वयनि ग्व २
 घत्रि ग्व २
 हरूप ग्व ३
 धावन ग्व २
 देवला पा ३
 नउइधाला ग्व २

सातिश २
 हाकलवा माका
 कलमिलामाका
 मधिकलमाका
 कयमिलामाका
 वाग्वदा १०
 कतिअपा माका
 कापना पा १
 सिजसला पा १
 सिजवाला ग्व २

अर्थपात्रम् ३ हाठ ८१६

याकवाताम् १

अर्थपाता १

कंठसलायी १

कंठपात्रम् २

कंठधालाग्व २

खालामाक

दमा पा १

धम्मदिया १ ललति ३४

अर्थपात्र ललति २१

लूचकि १ लति २१

लूयासलाकापू १

जहचकि १ नीला १

जहखालाग्व १

जहदादलो ४

यकमूमाक

किरीदृष्टि १

लूपल जहपले ८

लूचिमाक

पूजाभीगुमाक

पंचमल पा १३

ठीख म १

दिगुमाक

पूजाभीगुमाक

अलूभीगुमाक

खिदूभीगुमाक २

माळभीगुमाक २

महुलगमक १२

हाककावागम

माक

काउलोखा

गममाक

८०

वक्रपा ३
 वक्रयपा ३
 लजपा ३
 मूलपा १
 हीनोनी ४
 कसागम २
 छाउपागमाक
 अन्धपर्व हाक छाउ
 पीचदशापताप
 कर्हपता हाक छाउ माका
 ठाताउनी का पमाक

पाकामाक
 आसंखविमाक
 कुमात्रिहृत्का
 पीचहृत्का
 सिहकाग्याय ३
 छाउकापुकि २
 छाउअदुआमाक
 काकअदुआमाक
 तुयअदुआमाक
 गरीकामाक
 बिदुगरी २
 कखाजरीका माक

माजगरी २
 गवयकामाक
 स्वतच्छु १
 गीकलेठाक गुमाका
 किलेच्छु गुमाका
 दृशाच्छु गुमाका
 पूर्हाच्छु १
 नागच्छु ३
 तिमामाक
 हासि २
 सिम २
 च्छुयागरीमाका

यज्ञकालं ३
 विहिवदयकरका
 आरुकि २
 पूर्वकालं ३
 ध्वजदगुलि ३
 सिमावसादयकरका
 कसकि
 उरसकि
 कसकि
 वसकि

७
 लयि
 केरा
 हांविपू २
 यज्ञाषदि
 सर्वोषदि
 हजमस
 गिरुसा
 प्रिकउ
 प्रिकिना

प्रिलउं
 मददल
 हरायदल
 नखा
 खया
 पवगन्ध
 रुपाउमलनका १
 ग्ययमाक
 ग्यमाक
 पूगपु ३
 प्रिकपु २
 मयखापा ५

हाइइमाक
 ध्यलथानि १
 हाज २
 कस्ति १
 पीजपकुडम २
 पाकमधिमाक
 हाडीमाक
 जेडीनालफमाक
 उंगलसिमाकवा
 उंगसिह
 हाकवाप

व्यासमा
 नागप
 वेलाकमा
 वेवप १००
 वेवविप ८
 धम्मनिर्क
 जलमउल २
 लचि २
 पूजाभूगपा २
 यामूव २
 नलाकादस्वी

जीहवादस्वी २
 ग्वच ग्व ४
 ग्वपा ४
 मूललोक
 गुनपा
 कलाग
 केलु नाहि
 मिर्जकयाल
 रुकवाग २
 मिहाकयाका
 उकलाग २

उसत्र
पात्र

५२

२ अ० म० न० व० लि० वि० य० ॥ प० ॥ ॐ ह्र० द्रा० य० स्वाहा ॥ ॐ ह्र० द्र० वी० मा० य० नी० य० स्वा
हा ॥ ॐ व० अ० ग्र० हा० ला० ये० स्वाहा ॥ ॐ अ० न० ना० य० स्वाहा ॥ ३ ॥ ॐ क० वे० प्रा० य० स्वाहा ॥
ॐ ह्र० द्र० को० मा० नी० य० स्वाहा ॥ ॐ क० ली० क० ले० त्र० वा० य० स्वाहा ॥ ॐ वें० वा० हा० धि० य०
स्वाहा ॥ प० ॥ ॐ व० रु० क्ष० म० य० स्वाहा ॥ ॐ ह्र० द्र० द्र० द्रा० य० नी० य० स्वाहा ॥ ॐ शा० ली० क० स्वा
हा ॥ ॐ नी० त० क० का० य० स्वाहा ॥ ॐ य० ना० य० स्वाहा ॥ ॐ ह्र० द्र० द्र० द्रा० य० नी०
य० स्वाहा ॥ ॐ ग० रु० ला० य० स्वाहा ॥ ॐ पी० प० न० ना० ग० ना० य० स्वाहा ॥ अ० ॥ ॐ अ० ग्नि० य० स्वाहा
॥ ॐ ह्र० द्र० वा० ना० ही० य० स्वाहा ॥ ॐ अ० तु० ग० हा० ला० य० स्वाहा ॥ ॐ ही० र्ही० ष० पा० ल० ना० ग० ना० य० स्वाहा ॥

१२८

॥ नै ॥ अं नै क्रि थि स्वाहा ॥ अं दं दं वे प्र वी य स्वाहा ॥ अं न स्मी व न इ गा स ना य स्वाहा ॥
अं क कौ ट का य स्वाहा ॥ वा ॥ अं वा य व्थि स्वाहा ॥ अं दं दं वा मू ला या स्वाहा ॥
अं धा रा न्य का रा य स्वाहा ॥ अं कु लि क ना ग ना रा य स्वाहा ॥ ॐ ॥ अं ॐ ॐ ॐ
ना य स्वाहा ॥ अं दं दं म हा ॥ लं जी य स्वाहा ॥ अं म हा प द्य ना ग ना रा य स्वा
हा ॥ ॥ अं कि लि कि लि ता ल वा य स्वाहा ॥

धर्मरत्न वज्राचार्य सुरत श्री महाबिहार

II-78

३